बाल संस्कार

भारतीय संस्कृति परिचय -02

भारतीय वांग्मय

'चतुर्वेद'

ऋग्वेद - सबसे प्राचीन वेद - ज्ञान हेतु लगभग १० हजार मंत्र। इसमें देवताओं के गुणों का वर्णन और प्रकाश के लिए मन्त्र हैं - सभी कविता-छन्द रूप में।

सामवेद - उपासना में गाने के लिये १९७५ संगीतमय मंत्र।

यजुर्वेद - इसमें कार्य (क्रिया) व यज्ञ (समर्पण) की प्रक्रिया के लिये ३७५० गद्यात्मक मन्त्र हैं।

अथर्ववेद - इसमें गुण, धर्म, आरोग्य, एवं यज्ञ के लिये ७२६० कवितामयी मन्त्र हैं।

कुल मिलाकर वेद के भाग ये हैं :-

•**संहिता मन्त्रभाग**- यज्ञानुष्ठान मे प्रयुक्त व विनियुक्त भाग)

•**ब्राह्मण-ग्रन्थ** - यज्ञानुष्ठान मे प्रयोगपरक मन्त्र का व्याख्यायुक्त गद्यभाग में कर्मकाण्ड की विवेचना)

•**आरण्यक** - यज्ञानुष्ठानके आध्यात्मपरक विवेचनायुक्त भाग अर्थके पीछे के उद्देश्य की विवेचना)

•**उपनिषद** - ब्रह्म माया वापरमेश्वर, अविद्या जीवात्मा और जगत् के स्वभाव और सम्बन्ध का

बहुत ही दार्शनिक और ज्ञानपूर्वक वर्णनवाला भाग। जैसा की कृष्णयजुर्वेदमे मन्त्रखण्ड में ही ब्राह्मण है। शुक्लयजुर्वेदे मन्त्रभाग में ही ईसावास्योपनिषद है।

उपवेद

आयुर्वेद, धनुर्वेद, गान्धर्ववेद तथा स्थापत्यवेद- ये क्रमशः चारों वेदों के उपवेद कात्यायन ने बतलाये हैं।

- **स्थापत्यवेद** - स्थापत्यकला के विषय, जिसे वास्तु शास्त्र या वास्तुकला भी कहा जाता है, इसके अन्तर्गत आता है।
- **धनुर्वेद** - युद्ध कला का विवरण। इसके ग्रंथ विलुप्त प्राय हैं।
- **गन्धर्वेद** - गायन कला।
- **आयुर्वेद** - वैदिक ज्ञान पर आधारित स्वास्थ्य विज्ञान।

वेद के चार भाग हैं –

संहिता, ब्राह्मण, आरण्यक और उपनिषद्

(१) संहिता में वैदिक देवी देवताओं की स्तुति के मंत्र हैं;

(२) ब्राह्मण में वैदिक कर्मकाण्ड और यज्ञों का वर्णन है;

(३) आरण्यक में कर्मकाण्ड और यज्ञों की रूपक कथाएँ और तत् सम्बन्धी दार्शनिक व्याख्याएँ हैं; और

(४) उपनिषद् में वास्तविक वैदिक दर्शन का सार है।

१०८ उपनिषद एवं उनका वर्गीकरण

(१) ऋग्वेदीय -- १० उपनिषद्

(२) शुक्ल यजुर्वेदीय -- १९ उपनिषद्

(३) कृष्ण यजुर्वेदीय -- ३२ उपनिषद्

(४) सामवेदीय -- १६ उपनिषद्

(५) अथर्ववेदीय -- ३१ उपनिषद्

कुल -- १०८ उपनिषद्

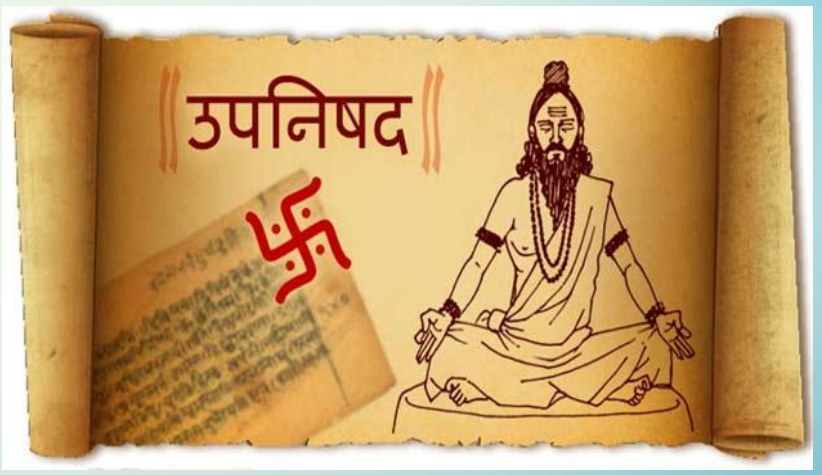

अट्ठारह पुराण

- ब्रह्म पुराण
- पद्म पुराण
- विष्णु पुराण
- वायु पुराण -- (शिव पुराण)
- भागवत पुराण -- (देवीभागवत पुराण)
- नारद पुराण
- मार्कण्डेय पुराण
- अग्नि पुराण
- भविष्य पुराण
- ब्रह्म वैवर्त पुराण
- लिंग पुराण
- वाराह पुराण
- स्कन्द पुराण
- वामन पुराण
- कूर्म पुराण
- मत्स्य पुराण
- गरुड़ पुराण
- ब्रह्माण्ड पुराण

बाल संस्कार

बालकों की संस्कारशाला

राकेश शर्मा
निदेशक "बाल संस्कार"

बाल संस्कार